Track renewal programme

230. SHRI K. VASUDEVA PANICKER: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what is the total length of tracks in kilometres included in the track renewal programme to be undertaken by railways during the remaining part of the current year; and

(b) what is the programme in this regard for the next year?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) The tar get for track renewals during 1986-87 is 3800 kms., out of which renewal of 1484 kms. has been carried out by end of Sep tember, 1986.

(b) Track renewal of 4200 kms, is proposed in 1987-88.

विश्व हिन्दी विद्यापीठ की स्थापना

231. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1983 में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन में जिसका उद्घाटन स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा किया गया था, सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों के संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा था कि 'विश्व हिन्दी विद्यापीठ' के गठन के संबंध में विचार करने के लिए भारत सरकार ने एक समिति का गठन किया था ; और

(ग) यदि हां, तो इस समिति के कार्य में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) अक्टूबर, 1983 में आयोजित तृतीय विश्व हिन्दी सम्मेलन, जिसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने किया था, ने वर्ष 1975 और 1976 में आयोजित पहले दो विश्व हिन्दी सम्मेलनों में पारित प्रस्तावों को क्रमश: दुहराते हुए यह सिफारिश की कि अपने लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निमित्त अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रधान मंत्री के परामर्श से एक स्थायी समिति का गठन किया जाए । विगत सम्मेलनों में पारित प्रस्तावों में अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित बातों पर जोर दिया गया था :—

(क) संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी को अधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दी जाए, और

(ख) हिन्दी को अन्तर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में विकसित करने के लिए विश्व हिन्दी विद्यापीठ की स्थापना वर्धा में की जाए ।

विश्व हिन्दी विद्यापीठ की स्थापना से संबंधित निर्णय के संदर्भ में इस मंत्रालय की हिन्दी शिक्षा समिति ने अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचारार्थ एक उप-समिति का गठन किया है । इस समिति की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है ।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक स्थायी समिति के गठन से संबंधित निर्णय के बारे में यह कहना है कि तृतीय विश्व हिन्दी सम्मेलन के राष्ट्रीय समिति के कार्याध्यक्ष से इस आशय का एक प्रस्ताव विचारार्थ प्राप्त हुआ है । यह प्रस्ताव मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग में विचारार्थ है ।